

समय : 3:00 घंटे

पूर्णांक : 100

सूचना : 1.सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2.सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न १. नाटक के स्वरूप का वर्णन करते हुए उसके तत्वों पर प्रकाश डालिए। २०

अथवा

एकांकी के स्वरूप को विस्तार से समझाते हुए उसके विकास को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न २. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए। २०

(क) “समाज के दबाव में मुझे सब करना पड़ा। तुम तो जानते ही हो जातीय पंचायत से हम लोग पूरी तरह बंधे हैं। यदि पंचायत की बात मैं न मानती तो पंचायत हमें समाज से बाहर कर देती। गाँव का कोई व्यक्ति मेरे परिवार से सम्बन्ध न रखता। कुँए से पानी तक मुझे न भरने दिया जाता। हमारा परिवार कैसे जीता।”

अथवा

“देश हमारा हम है उसके जागो और जगाओ रे सोचो, समझो हाथ मिलाओ आगे बढ़कर आओ रे देश हमारा हम है उसके जागो और जगाओ रे।”

(ख) “भय हाँ, सब एक दुसरे से भय खाते हैं। इसीलिए एक दुसरे से घृणा और द्वेष करते हैं। इसीलिए एक दुसरे के शत्रु हैं। कितनी ठीक बात कही उन्होंने, कितनी ठीक! इसका कोई क्या जबाब दे सकता है? मैं कहती हूँ शशि, इनके सामने आकर सब चुप हो जाते हैं।”

अथवा

“आप भी साहब अजीब हैं, इधर हमें सारा इंतजाम करना है, देर हो रही है, उधर आप एक नया शगूफा लेकर आ गये हैं।”

प्रश्न ३. कथोपकथन की दृष्टि से काला पत्थर नाटक के महत्त्व पर प्रकाश डालिए। २०

अथवा

‘काला पत्थर’ नाटक में निहित समस्याओं पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न ४. ‘दीपदान’ एकांकी के प्रमुख पात्रों का चरित्र चित्रण कीजिए। २०

अथवा

‘बहु की विदा’ एकांकी के कथ्य पर प्रकाश डालते हुए उसके संदेश को समझाइए।

प्रश्न ५.

किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए।

२०

- (च) काला पत्थर नाटक के कल्लू सेठ।
- (छ) काला पत्थर नाटक का कथ्य।
- (ज) 'अन्वेषक' एकांकी के चुढामणि और चिंतामणि।
- (झ) 'नो एडमिशन' एकांकी में एडमिशन के लिए मध्यम वर्गीय परिवार का संघर्ष।
